



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

23 कार्तिक 1939 (श10)

(सं० पटना 1054) पटना, मंगलवार, 14 नवम्बर 2017

स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचना

3 नवम्बर 2017

सं० 4/फार्मा-14-01/2014-1312(4)—भारत संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल स्वास्थ्य विभाग के अधीन “बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग नियमावली, 2014” का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं: —

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारंभ। — (1) यह नियमावली “बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग (संशोधन) नियमावली, 2017” कही जा सकेगी।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा।

(3) यह तुरंत के प्रभाव से प्रवृत्त होगी।

2. बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग नियमावली, 2014 के नियम-8 का प्रतिस्थापन:—“नियुक्ति के उपरान्त अभ्यर्थी परिवीक्षाधीन रहेगा। परिवीक्षा अवधि दो वर्षों की होगी। परिवीक्षा अवधि के दौरान यदि सेवा संतोषजनक न पाई जाय किंतु नियुक्ति प्राधिकार की राय में, परिवीक्षा अवधि में विस्तार करने से व्यक्ति में सुधार की संभावना हो तो परिवीक्षा अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ायी जायगी। एक वर्ष की विस्तारित अवधि में भी कार्य सेवा संतोषजनक नहीं पाई गयी तो नियुक्ति प्राधिकार ऐसे फार्मासिस्ट की सेवा समाप्त कर सकेंगे।”

3. बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग नियमावली, 2014 के परिशिष्ट-1 का प्रतिस्थापन:- उक्त नियमावली के परिशिष्ट-1 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

“परिशिष्ट – 1

[नियम 2 (viii), 4, 13, 16, 17 द्रष्टव्य]

बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग का पदसोपान, अर्हताएँ, आदि

क्रमांक	कोटि	पदनाम	सीधी भर्ती या प्रोन्नति	आवश्यक अर्हताएँ	अभ्युक्ति
1.	मूल कोटि	फार्मासिस्ट	सीधी भर्ती द्वारा	(i) इन्टरमीडियेट / +2 उत्तीर्ण। (ii) डिप्लोमा इन फार्मसी के सभी पार्ट (पार्ट I, II एवं III) में उत्तीर्णता। (iii) बिहार फार्मसी काउन्सिल से रजिस्ट्रीकृत होना आवश्यक होगा। [टिप्पणी- बी0 फार्मा0 एवं एम0 फार्मा0 उत्तीर्ण भी आवेदन कर सकेंगे।]	सभी स्वास्थ्य केन्द्रों, औषधालयों/अस्पतालों, 20 एवं 50 शय्याओं या अधिक वाले सभी अस्पतालों में, जिला अस्पतालों में एवं सभी चिकित्सा महाविद्यालयों अस्पतालों में।
2.	प्रथम सोपान	वरीय फार्मासिस्ट	प्रोन्नति द्वारा	—	—तथैव—
3.	द्वितीय सोपान	वरीय मुख्य फार्मासिस्ट	तथैव	— —	सभी जिला अस्पतालों में। सभी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पतालों में।

4. बिहार फार्मासिस्ट संवर्ग नियमावली, 2014 के परिशिष्ट-2 का प्रतिस्थापन:- उक्त नियमावली के परिशिष्ट-2 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :-

“परिशिष्ट – 2

[नियम 18 द्रष्टव्य]

फार्मासिस्टों के कर्तव्य एवं दायित्व

क्रमांक	पदनाम	कर्तव्य एवं दायित्व	पदस्थापन स्थान
1.	फार्मासिस्ट	नुस्खा (प्रेसक्रिप्शन) प्राप्त करना, नुस्खा की जाँच पड़ताल करना, परिशुद्ध औषधि बनाना, मरीज को यथोचित सलाह देना, मरीजों से प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्राप्त करना और अभिलेखित करना, चिकित्सा-विधिक पंजी (इन्ज्युरी एवं पोस्टमोर्टम रजिस्टर) का अभिरक्षक।	सभी अस्पतालों, औषधालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों में।
2.	वरीय फार्मासिस्ट	औषधियों एवं चिकित्सा-यंत्रों तथा भंडार का प्रबंधन, औषधियों की आपूर्ति, स्टॉक प्रबंधन। समुचित लेबल सहित दवाओं की पुनः पैकिंग/पूर्व-पैकिंग। गैर-निर्जीवाणुक विरचनाएँ। जैव-विषशून्य विरचनाएँ।	20-शय्याओं या अधिक वाले सभी अस्पतालों और 50-शय्याओं या अधिक वाले सभी अस्पतालों में।
3.	वरीय मुख्य फार्मासिस्ट	औषधियों एवं उपकरणों की खरीद। औषधि सूचना सेवाएँ। अस्पताल तकनीकी सेवाओं के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण। औषधियों एवं यंत्रों की गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त होना। वार्ड फार्मसी सेवाएँ। औषधियों की प्रतिकूल प्रतिक्रिया का अनुश्रवण एवं रिपोर्टिंग। लाक्षणिक (क्लीनिकल) विशिष्टता से जुड़ी सेवाएँ। विशेषज्ञ सूचना सेवाएँ। -क्लीनिकल फार्मसी सेवाओं का संगठन। तकनीकी सेवाएँ। निर्जीवाणुक विनिर्माण। क्लीनिकल शोध एवं विकास। औषधि-चिकित्सा प्रबंधन। औषधि-पथ्य समीक्षा। परामर्शदातृ सेवाएँ।	सभी जिला/चिकित्सा महाविद्यालय अस्पतालों में।

क्रमांक	पदनाम	कर्तव्य एवं दायित्व	पदस्थापन स्थान
		<p>—विभिन्न अस्पताल समितियों में सेवाएँ देना, यथा— (क) फार्मसी ऐंड थेराप्युटिक्स कमिटी। (ख) अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति। (ग) मानव नैतिकता समिति। (घ) पशु नैतिकता समिति। (ङ.) संस्थागत समीक्षा बोर्ड। (च) क्लीनिकल ट्रायल कमिटी।</p> <p>—क्लीनिकल शासन एवं जोखिम प्रबंधन। अस्पताल फार्मसी प्रबन्धन। I— (i). स्टाफ प्रबंधन, (ii). बजट प्रबंधन (iii). बेंचमार्किंग। —सूचना—प्रावैधिक लागू करना। अस्पताल सूत्र—समूह सेवाएँ। (i). अस्पताल फार्मसी सेवाएँ, (ii). फार्मासिस्टों का शिक्षण एवं प्रशिक्षण, (iii). फार्मासिस्टों के शिक्षण कार्यक्रम का जारी रहना, (iv). जिला स्तर पर बड़े औषधि सूचना केन्द्र के संचालन की योजना बनाना एवं कार्यान्वयन। —का समन्वय एवं मूल्यांकन। —केन्द्रीय मेडिकल स्टोर डिपो का प्रबंधन करना। —औषधियों एवं यंत्रों का चयन, खरीद (प्रोक्योरमेंट) एवं वितरण। —आपूर्तियों का गुणवत्ता नियंत्रण। —फार्मकोइकोनोमिक्स अध्ययन/शोध। —फार्मासिस्टों के शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण मानकों का सूत्रीकरण एवं डायनामिक अद्यतनीकरण। —पूरे राज्य में अस्पताल फार्मसी सेवाओं के समन्वित विकास एवं सुधार के लिए समुचित नीति, —योजना का सूत्रीकरण। —बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अस्पताल फार्मसी सेवाओं के गुणवत्तापूर्ण सुधार को प्रोन्नत —करना। —फार्मकोथेराप्युटिक्स, फार्मकोइकोनोमिक्स, फार्मकोभिजीलेन्स, फार्मकोइंफोर्मेटिक्स का समन्वय करना। —आधुनिक औषधियों की संरक्षा एवं असर सुनिश्चित करने में विकसित विश्व के साथ गतिमान —रहने हेतु फार्मास्युटिकल रिसर्च को, इसके सभी रूपों में, बढ़ाना। —फार्मासिस्ट संवर्ग एवं फार्मसी सेवाओं का पूर्ण नियंत्रण एवं प्रशासन।</p>	

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
 सच्चिदानन्द चौधरी,
 सरकार के विशेष सचिव ।

3 नवम्बर 2017

सं० 4 / फार्मा—14—01 / 2014—1313(4) / अधिसूचना संख्या 1312(4) दिनांक 3 नवम्बर 2017 का निम्नलिखित अंग्रेजी अनुवाद, बिहार—राज्यपाल के प्राधिकार से, एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारत का संविधान के अनुच्छेद—348 के खंड (3) के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा में उक्त अधिसूचना का प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
 सच्चिदानन्द चौधरी,
 सरकार के विशेष सचिव ।

The 3rd November 2017

No 4 / फार्मा-14-01 / 2014-1312(4)—In exercise of the powers conferred by proviso to Article -309 of the Constitution of India, the Governor of Bihar is hereby pleased to make the following Rules to amend the Bihar Pharmacist Cadre Rules 2014 :-

1. Short title, extent & commencement.— (1) These Rules may be called the “Bihar Pharmacist Cadre (Amendment) Rules, 2017.”

(2) It shall extend to the whole State of Bihar.

(3) It shall come into force with immediate effect.

2. Substitution of Rule 8 of the Bihar Pharmacist Cadre Rules 2014.— "After appointment the candidate will be on probation . Probation period will be of two years. In case, the service during probation period is not found satisfactory but if in the opinion of the Appointing Authority, there is a chance of improvement to a individual by giving an extension in probation period then probation period will be extended for one year. If the service is not found satisfactory in spite of extended period for one year also then the Appointing Authority may terminate the service of such Pharmacist."

3. Substitution of Appendix-1 of the Bihar Pharmacist Cadre Rules 2014.— Appendix-1 of the said Rules 2014 shall be substituted by the following:-

"Appendix - 1

[See Rules 2 (viii), 4, 13, 16, 17]

Chain of posts, qualifications etc. of Bihar Pharmacist Cadre

Sl. No.	Category	Name of Posts	Direct Recruitment or Promotion	Requisite qualifications	Remarks
1.	Basic Category	Pharmacist	By Direct Recruitment	(i) Intermediate/+2 (Science) pass (ii) Pass in all parts (part I, II & III) of Diploma in Pharmacy. (iii) It shall be necessary to be registered with the Bihar Pharmacy Council. [Note- B. Pharma. and M. Pharma. pass may also apply.] -	In all Hospitals, Dispensaries, Health Centres. In all Hospitals having 20 - beds or more and in all Hospitals having 50- beds or more and in all Medical College Hospitals
2.	First ladder	Senior Pharmacist	By Promotion	Do	Do
3.	Second ladder	Senior Chief Pharmacist	Do	-	In all District Hospitals and all Medical College Hospitals

4. *Substitution of Appendix-2 of the Bihar Pharmacist Cadre Rules, 2014.*— Appendix-2 of the said Rules 2014 shall be substituted by the following:-

"APPENDIX - 2

[See Rule 18]

DUTIES & RESPONSIBILITIES OF The PHARMACISTS

Sl. No.	Name of Post	Duties & Responsibilities	Place of posting
1.	Pharmacist	Receiving the prescription, checking the prescription, accurate dispensing and adequate patient counselling, receiving and recording feed back from patients, custodian of medico-legal Register (Injury and Postmortem Register).	In all hospitals, dispensaries, health centres.
2.	Senior Pharmacist	Receiving supply of medicines and medical devices, proper storage and inventory control, and management of stores, supply of medicines, stock management. Repacking/ prepacking of drugs with proper label. Non-sterile preparations. Aseptic preparations.	In all hospitals having 20 beds or more and 50 beds or more.
3.	Senior Chief Pharmacist	<p>Purchase of drugs & appliances. Drug information services. Education & Training for hospital technical services. Quality assurance of medicines and devices. Ward pharmacy services. Adverse Drug Reaction monitoring and reporting. Clinical Speciality linked services. Specialist information services.</p> <p>-Organization of clinical pharmacy services. Technical services. Sterile manufacturing. Clinical Research & Development. Drug Therapy Management. Drug regimen review. Advisory services.</p> <p>- Serving on various hospital committees, namely:-</p> <p>(a) Pharmacy & Therapeutics Committee.</p> <p>(b) Hospital Infection Control Committee.</p> <p>(c) Human ethics committee.</p> <p>(d) Animal ethics committee.</p> <p>(e) Institutional Review Board.</p> <p>(f) Clinical trial Committee.</p> <p>- Clinical governance and risk management. Hospital Pharmacy management (i) Staff management, (ii) Budget management, (iii) Benchmarking.</p> <p>- Application of information technology. Hospital Formulary services.</p> <p>Co-ordination and appraisal of -</p> <p>(i) Hospital Pharmacy services.</p> <p>(ii) Education and training for Pharmacists.</p> <p>(iii) Continuing education programme for Pharmacists.</p> <p>(iv) Planning and implementation of running large medicines information centre at district level.</p> <p>- Managing Central Medical Stores Depots.</p> <p>- Selection, procurement and distribution of medicines and devices.</p> <p>- Quality control of supplies .</p> <p>- Pharmaco-economics studies/research.</p> <p>Formulating & dynamic updating of educational and training standards for Pharmacists.</p> <p>Formulating proper policy, planning for co-ordinated development and improvement of Hospital Pharmacy services throughout the State.</p>	In all District Hospitals. In all Medical College Hospitals.

Sl. No.	Name of Post	Duties & Responsibilities	Place of posting
		<p>Promote qualitative improvement of hospital pharmacy services for better health care delivery.</p> <p>Co-ordinate Pharmacotherapeutics, pharmacoeconomics, pharmacovigilance, pharmacoin-formatics, Gearing up Pharmaceutical research in all its facets to keep pace with developed world in ensuring safety and efficacy of modern medicines.</p> <p>Over all control and administration of Pharmacy cadre and Pharmacy services.</p>	

By Order of the Governor of Bihar,
SACHCHIDANAND CHOUDHARY,
Special Secretary to the Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
 बिहार गजट (असाधारण) 1054-571+10-डी0टी0पी0।
 Website: <http://egazette.bih.nic.in>